

स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और विश्वास का आधार बनी है : दिया कुमारी

स्वामित्व योजना के तहत उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पट्टे वितरित किए

अजमेरा। स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में शनिवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभाधारियों को पट्टे वितरित किए। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली लाभाधारियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना देश के गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक है। ग्रामीण आबादी को अपनी भूमि का कानूनी प्रमाण दिया गया। कानूनी दस्तावेज से मालिकाना अधिकार मिला है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी ग्रामीण भू सम्पत्ति पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई है। दस्तावेज के अभाव में ग्रामीण सम्पत्ति डेडकेपिटल हो जाती है। स्वामित्व योजना के लिए ड्रॉनिंग मेंग करवाई गई है। अब आवासीय सम्पत्ति के कागजात दिए जा रहे हैं। इससे अबैध कब्जे तथा अदालती परिवर्तनों से मुक्ति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत देश में वर्चुअल माध्यम से पट्टों का वितरण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनकी जमीन किसी भी सरकारी आंकड़ों में दर्ज नहीं थी। इस कारण जमीन को लेकर आपसों झगड़ा या कब्जा होने का



स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभाधारियों को पट्टे वितरित किए।

खतरा हमेशा बना रहता था। उनको उस जमीन पर ऋण और अन्य सुविधाएँ नहीं मिल पाती थी। ग्रामीण परेशान रहते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीणों के इस दुःख को समझा और इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की 24 अप्रैल 2020 को शुरूआत की। इस योजना में ड्रॉन और डिजिटल माध्यम से गांव और खेत की मेंगिंग करके सम्पत्ति के नामांकन और सत्यापन का

कार्य किया जाकर स्वामित्व संबंधी पट्टे दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और विश्वास का आधार बनी है। पूरे भारत में तीन लाख से अधिक गांवों में ड्रॉन सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग दस करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी पार्सल तैयार किए जा चुके हैं। राजस्थान में कुल 15 लाख हजार गांवों में ड्रॉन सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग आठ लाख साठ

हजार से ज्यादा पट्टों का वितरण किया जा चुका है। बाईस सौ से अधिक ग्रामीण परिवारों को पट्टे दिए जा चुके हैं। अजमेर में इस योजना का शुरूआत अप्रैल 2022 में हुई थी। अजमेर में एक हजार 102 गांवों में सर्वे कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग इकसठ हजार पट्टों का वितरण हो चुका है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अजमेर जिले के 6800 पट्टे वितरित किये गये। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के पास

पट्टा होने से उनकी जमीन का मालिकाना हक मिला है। ग्रामीण आत्मनिर्भर हुए हैं। उनका सशक्तिकरण हुआ है। इस योजना के बाद शहरों के समान ही ग्रामीणों को भी जमीन के अन्य वित्तीय लाभ मिल रहे हैं। भूमि संबंधी विवाद खत्म हो रहे हैं। अतिक्रमण को समाप्त करने का समाधान हुआ है। जमीन का रिकॉर्ड दर्ज होने से ग्रामीणों को कानूनी सुविधा और लाभ मिल रहा है। गांवों में निवेश के अवसर बढ़े हैं। जमीन का नामान्तरण और बंटवारे में आसानी हो रही है। गांवों में सरकारी और निजी भवन बनाने में सुविधा हो रही है। पंचायतराज विभाग, राजस्व विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सामूहिक प्रयासों से प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ग्रामीणों के लिए बरदान साबित हो रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख पुष्कराज पहाड़िया, अध्यक्ष रमेश सोनी, प्रवीण जैन, जिला परिषद सदस्य महेन्द्र सिंह मजेलवाल, सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष हरिराम बाना, जिला कलेक्टर लोक बन्धु, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खन्ना सहित जयप्रतिनिधि, अधिकारी एवं लाभाधी उपस्थित रहे।

बालिका का अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में युवक को पकड़ा

आरोप है कि बालिका को छह माह तक बंधक बनाए रखा और दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। 13 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश ले जाने और उससे दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने 23 वर्षीय युवक सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सुनील ने बालिका को लगभग छह

गांव पहुंचा तो वहां दोनों ही नहीं मिले। फिर पता चला कि सुनील लड़की को कानपुर में कहीं अपने साथ रखे हुए है। काफी प्रयासों के बाद 27 दिसंबर 2024 को पुलिस कानपुर से लड़की को बरामद कर लिया। बाल कल्याण समिति (सोडब्यूसी) के समक्ष पेश करने पर उसे मां-बाप के पास भेज दिया

गया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अपहरण के मुकदमे में सुनील के खिलाफ दुष्कर्म की धाराएं भी जोड़ दी गईं। मामले की जांच एएसपी (शहर) वी आदित्य कर रहे हैं। तीन दिन पहले पुलिस को पुछता सूचना मिली कि सुनील कानपुर में छिपा हुआ है। यहां से भेजे गई एक टीम ने उसे पकड़ा।

■ पुलिस ने यूपी के कानपुर जिले में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर सराय निवासी सुनील को पकड़ा

महीने तक बंधक बनाए रखा और दुष्कर्म करता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर सराय निवासी सुनील को बड़ी मुश्किल से पकड़ा है।

बालिका की दादी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर कोतवाली में सुनील के खिलाफ 12 जुलाई 2024 को अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि दोनों के मोबाइल फोन श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर बंद हो गए थे। इसके बाद इनका कुछ पता नहीं चल रहा था। पुलिस ने गूगल मैप के जरिए सुनील के गांव का पता लगाया। वहां के सरपंच से संपर्क किया तो पता चला कि सुनील जून में अपने साथ एक लड़की को लेकर गांव आया था। इस पर पुलिस उसके

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा सुनाई

पाली, (निसं)। पाली में पाँक्सो कोर्ट संख्या एक के जज ने 11 माह पुराने मामले में सुनवाई की। जिसमें नौ साल की मासूम के साथ ज्यदाती करने के अभियुक्त महेंद्र को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

पाँक्सो कोर्ट संख्या एक की विशेष लोक अभियोजक उममा रावल ने बताया कि पाली जिले के एक थाने में 14 फरवरी 2024 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराया, जिसमें बताया कि 13 फरवरी 2024 को उसकी 9 साल की बेटी रात करीब 10 बजे बिंदौली देख रही थी। कुछ देर बाद वह टॉयलेट करने गली में

गई, जहां उसे अकेला देख महेन्द्र पुत्र तेजाराम ने उसके साथ ज्यदाती की। इसकी जानकारी नाबालिग ने अपने परिजनों को दी। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। 6 अप्रैल 2024 को आरोपी के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र पेश किए। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस और गवाहों के बयान सुनने के बाद 17 जनवरी को पाली के पोक्सो कोर्ट संख्या एक के जज सविन गुप्ता ने फैसला सुनाया, जिसमें महेंद्र पुत्र तेजाराम को नाबालिग के साथ ज्यदाती करने का दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई।

आभूषण लेकर भागी लुटेरी दुल्हन का नहीं लगा सुराग

जोधपुर, (कांसं)। शहर में एक और लुटेरी दुल्हन घर से जेवर नगदी लेकर चंपत हो गई। छह माह बीतने के बाद भी वह नहीं लौटी तब इस बारे में सुरसागर थाने में रिपोर्ट दी गई। लुटेरी दुल्हन और परिजन के खिलाफ चोरी एवं धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज हुआ है। महिला कर्नाटिका की रहने वाली है।

सुरसागर पुलिस ने बताया कि रामदेव कानौली, क्रिया का झालरा में रहने वाली एक महिला की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पुत्र की शादी गत साल कर्नाटिका की

■ छह माह बीतने के बाद भी वह नहीं लौटी तो थाने में रिपोर्ट दी

रहने वाली भूमिका के साथ की गई थी। शादी में कुछ समय तक सब ठीक-ठाक चला मगर बाद में तीन जुलाई को उसकी पुत्रवधु भूमिका घर से शादी के समय दिए गए आभूषण अंगूठी, चेन, ब्रासेलेट, कानों के टोप के साथ 72 हजार रूपए लेकर चंपत हो गई। वह

वापिस नहीं लौटी। इस बारे में उसके पिता किशन शर्मा और अन्य लोगों से बातचीत की गई मगर वह हमेशा आश्वासन देते रहे, मगर उसकी पुत्रवधु वापिस नहीं लौटी। पीड़ित महिला ने सुरसागर थाने में पुत्र वधु भूमिका, उसके पिता किशन शर्मा के खिलाफ अब धोखाधड़ी एवं चोरी का प्रकरण दर्ज करवाया है। रूपए और गहने अलमारी में रखे हुए थे जोकि चैक करने पर वहां नहीं मिले। सुरसागर पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है।

70 लाख के लेनदेन में व्यापारी की हत्या की आशंका

व्यापारी ने पहले ही जान का खतरा जताया था

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के भादरा में एक व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। हरियाणा के हिसार जिले के मोहब्बतपुर निवासी राकेश कुमार का शव भादरा के शेरपुरा बस स्टैंड के पास एक खेत में मिला। मृतक के भाई कुलदीप ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

कुलदीप के अनुसार, उनका भाई राकेश कुमार 17 जनवरी को दोपहर करीब 12:15 बजे भादरा के लिए

निकला था। उनका तीन लोगों - संदीप (रफसिंह का पुत्र), अनिल और सुनील (दोनों हिसार निवासी) के साथ 70 लाख रूपए का लेनदेन था। इन्हीं तीनों ने राकेश को पैसों के लिए भादरा बुलाया था। घटना की जानकारी देते हुए कुलदीप ने बताया कि जाते समय राकेश ने उन्हें आशंका जताई थी कि पैसों के लिए उनकी जान को खतरा हो सकता है। देर रात तक घर नहीं पहुंचने और फोन बंद मिलने पर परिजन चिंतित हो गए। तलाश के दौरान

18 जनवरी की रात करीब 12:30 बजे शेरपुरा बस स्टैंड के पास राकेश की मारुति-800 कार मिली और उससे लगभग 20 फीट दूर खेत में उनका शव पड़ा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी भूपसिंह सहाराण के नेतृत्व में टीम घटना की जांच में जुटी है। परिजनों ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है।

शादी से लौट रहे परिवार की कार दीवार से टकराई, पिता-पुत्री की मौत

पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए, अस्पताल में भर्ती कराया

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी कस्बे के नाना भुखिया गांव के पास स्टेट हाइवे-10 पर शुक्रवार रात्रि को विवाह समारोह से लौट रहे आनंदपुरी निवासी जैन परिवार की कार घर से दो किलोमीटर की दूरी पर सड़क किनारे दीवार से जा टकराई। हादसे में कार चालक व उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार आनंदपुरी निवासी राहुल जैन (40) पुत्र महीपाल आंजना गांव में अपने मामा के लड़के के विवाह समारोह से शुक्रवार रात्रि को वापस घर आ रहे थे। कार में उसकी पत्नी सुरभी (35), बेटा आर्जव (14) व बेटी ओमी (8) माह भी साथ थे। रात्रि 9.30 बजे के लगभग नाना भुखिया गांव में स्टेट हाइवे-10 पर सामने किसी जानवर को बचाने के चक्कर में कार का स्टीरिंग बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक मकान की नींव की दीवार से जा टकराई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े चले आए व घटना की



दीवार से टकराने के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई।

जानकारी उनके परिजनों व समाजजनों को दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने सभी को कार से बाहर निकाल कर 108 की मदद से आनंदपुरी अस्पताल

■ घर से दो किमी की दूरी पर सामने किसी जानवर को बचाने के चक्कर में कार सड़क किनारे दीवार से टकरा गई थी

उसकी पत्नी सुरभी व बेटे आर्जव को उदयपुर गोलोजल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। अंकुर जैन कि रिपोर्ट पर आनंदपुरी पुलिस ने कार दुर्घटना को मर्ग में दर्ज कर दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों को सौंपा।

पिता-पुत्री की एक साथ हुई अंत्येष्टि :- राहुल व उसकी बेटी को एक साथ अंतिम यात्रा निकाल कर मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रिश्तेदार, समाजजन सम्मिलित हुए। ग्रामीणों ने बताया कि आनंदपुरी कस्बे में पिता-पुत्री की एक साथ मौत एवं सामूहिक अंतिम यात्रा की यह पहली घटना है।

राहगीर को ट्रक ने कुचला, मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली में पैदल जा रहे एक व्यक्ति को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति की मौत पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बाँडी हॉस्पिटल की मॉर्चररी में रखवाई। अज्ञात ट्रक ड्राइवर की तलाश की जा रही है। मामला जिले के गुडवाड़ा थाना इलाके के गुंदोज गांव का है। हादसा शुक्रवार रात को हुआ। पुलिस के अनुसार गुडवाड़ा थाना क्षेत्र के गुंदोज गांव की गोशाला के पास शुक्रवार रात पैदल जा रहे भाँवी गांव निवासी दिलीप रावल (45) पुत्र प्रभुदान को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दिलीप के सिर में गंभीर चोट लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अनियंत्रित कार खड्डे में गिरी, किशोर सहित दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के समीप बड़गांव थाना क्षेत्र में अनियंत्रित कार पलटने के बाद खड्डे में जा गिरी। हादसे में कार में सवार किशोर सहित दो जनों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में बड़गांव थाना क्षेत्र लोथरा गांव रोड के समीप अनियंत्रित कार पलटने के बाद खड्डे में जा गिरी। हादसे में पूरी कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसको देख आए लोगों ने बचाव एवं राहत कार्य शुरू

सड़क हादसे में एक भाई की मौत, दूसरा गंभीर घायल

पाली, (निसं)। पाली में एक सड़क हादसे में एक भाई की मौत हो गई और दूसरा गंभीर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार सिरोही जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र के नांदिया गांव निवासी 40 साल के भंवरलाल पुत्र राणाराम भील उसका छोटा भाई 25 वर्षीय पीराराम भील दोनों गुरलाई के निकट कोयला बनाने का काम करते हैं। शुक्रवार शाम को दोनों अपने गांव

■ किशत भरने के लिए गांव जा रहे थे, रास्ते में मवेशी से टकराई बाइक

नांदिया (सिरोही) के लिए बाइक पर रवाना हुए। सुमेरपुर के निकट इनकी बाइक मवेशी से टकरा गई। हादसे में दोनों भाई गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सुमेरपुर हॉस्पिटल लाया गया। जहां 40 साल के भंवरलाल की मौत हो गई। उसकी

बाँडी सुमेरपुर हॉस्पिटल की मॉर्चररी में पुलिस से रखवाई। गंभीर घाल पीराराम को प्राथमिक उपचार के बाद पाली के बांगड़ हॉस्पिटल शुक्रवार देर शाम को लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन्होंने किशतों पर बाइक ले रखी थी। किशत भरने के लिए दोनों भाई शुक्रवार को बाइक से गांव के लिए रवाना हुए थे, ताकि किशत भरकर आ सकें और परिवार से भी मिल सकें, लेकिन बीच रास्ते में हादसा हो गया।

दो युवक घायल, उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया

■ शहीद समारोह में शामिल होने गए थे कार सवार, रास्ते में हादसा हुआ

किया, घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय में पहुंचाया, जहां पाली निवासी पियुष (17) डांगी पुत्र तुलसीराम डांगी तथा शैलू गोमुन्दा निवासी जगदीश (32) पुत्र देवीलाल डांगी, बबलू पुत्र भंवरलाल डांगी निवासी शैलू गोमुन्दा तथा किशन पुत्र

धर्मा डांगी निवासी शैलू को बाहर निकाल उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पियुष व जगदीश की मौत हो गई।

इधर, सूचना मिलने पर बड़गांव थानाधिकारी पुरासिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में एसआइ रोशनसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच का घटनास्थल की जानकारी ली। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि रात में कार चालक शैलू गोमुन्दा निवासी गंगा डांगी के साथ पियुष, जगदीश, बबलू, किशन व साथी धूर गांव निवासी करंदेशालाल डांगी के पुत्री की शहीद समारोह में शामिल होने गए थे, जहां से वापस लौटते समय हादसा हो गया। सूचना मिलने पर एसआइ रोशनसिंह ने मुत्तकों का पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।